Padma Bhushan

SHRI SUSHIL KUMAR MODI (POSTHUMOUS)

Shri Sushil Kumar Modi was one of the longest serving Deputy Chief Minister of Bihar who contributed immensely to the development of Bihar. He turned around the finances of Bihar and was actively involved in introduction of the Goods and Services Tax in India. He held the unique distinction of being part of all the four Houses – Member of Parliament in Lok Sabha and Rajya Sabha and Member of Legislative Assembly and Member of Legislative Council.

2. Born on 5th January, 1952, Shri Modi was associated with the Rashtriya Swayamsewak Sangh (RSS) from the age of 10. He was a pracharak of RSS, a full-time worker of Akhil Bhartiya Vidyarthi Parishad (ABVP) from 1977 to 1986 and was the All-India General Secretary, ABVP from 1983 to 1986. He was the Cabinet Member and General Secretary, Patna University Students Union from 1973 to 1977. He was active during the Jai Prakash Movement (1973) and was imprisoned for 19 months during emergency (1975-1977).

3. Shri Modi joined active politics in 1990 and was elected as Member, Bihar Legislative Assembly from Patna Constituency from 1990 to 2004. He served as Deputy Chief Minister cum Finance Minister, Govt. of Bihar (2005-2013 and 2017- 2020). Being the longest serving Finance Minister of Bihar, he was credited with effective fiscal management of the State ushering in a period of stability. He boosted the State's revenue sharply and turned the State into a revenue surplus State. He hiked development spending and was able to increase industries and attract investments for the State. He was also known for innovative ideas, bringing in the concept of, a gender budget focusing on women's welfare. As the Chairman, Empowered Committee of State Finance Minsters (2011–2013), he played a key role in forming consensus for introduction of Goods and Services Tax in India. After introduction of GST, he was a Convenor / Member, of various Group of Ministers in the GST Council (2017–2020).

4. Shri Modi was actively associated with many social causes and played a major role in spreading awareness, about the 'organ and body donation after death'. He was actively involved in setting up blood banks for blood donation and organising / arranging free blood transfusion for thalassemia patients in Bihar. He was also involved in supporting the cause to overcome problems of differently abled in Bihar.

5. Shri Modi had a long and successful political career where he was Member of Bihar Legislative Assembly from 1990 to 2004. During this time, he was the Chief Whip of BJP, Leader of Opposition (1996–2004), Minister of Parliamentary Affairs, Govt. of Bihar (2000). In 2004, he was elected as Member of Parliament, Lok Sabha from Bhagalpur Constituency. From 2005 to 2020, he was Member of Bihar Legislative Council. He served as Deputy Chief Minister and Finance Minister between 2005-2013 and 2017-2020. He was elected as Member of Parliament, Rajya Sabha from 2020-2024 and was Chairman of the Parliamentary Committee on Personnel, Public Grievances, Law and Justice.

6. Shri Modi passed away on 13th May, 2024.

श्री सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत)

श्री सुशील कुमार मोदी बिहार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले उप–मुख्यमंत्रियों में से एक थे, जिन्होंने बिहार के विकास में बहुत योगदान दिया। उन्होंने बिहार की अर्थव्यवस्था को बदल दिया और भारत में वस्तु और सेवा कर शुरू करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्हें चारों सदनों– लोकसभा और राज्यसभा में संसद सदस्य तथा विधान सभा और विधान परिषद के सदस्य का हिस्सा होने का अनूठा गौरव प्राप्त था।

2. 5 जनवरी, 1952 को जन्मे, श्री मोदी 10 वर्ष की आयु से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए थे। वे आरएसएस के प्रचारक थे, वर्ष 1977 से वर्ष 1986 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पूर्णकालिक कार्यकर्ता थे और वर्ष 1983 से वर्ष 1986 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महासचिव थे। वे वर्ष 1973 से वर्ष 1977 तक पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के कैबिनेट सदस्य और महासचिव थे। वे जय प्रकाश आंदोलन (1973) के दौरान सक्रिय थे और आपातकाल (1975–1977) के दौरान 19 महीने तक जेल में रहे।

3. श्री मोदी वर्ष 1990 में सक्रिय राजनीति में आए और वर्ष 1990 से वर्ष 2004 तक पटना निर्वाचन क्षेत्र से बिहार विधान सभा के सदस्य चुने गए। उन्होंने बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री (2005–2013 और 2017–2020) के रूप में सेवा की। बिहार के सबसे लंबे समय तक वित्त मंत्री रहने के कारण, उन्हें राज्य के प्रभावी राजकोषीय प्रबंधन का श्रेय दिया जाता है, जिससे स्थिरता का दौर शुरू हुआ। उन्होंने राज्य के राजस्व में तेजी से वृद्धि की और राज्य को राजस्व अधिशेष वाले राज्य में बदल दिया। उन्होंने विकासात्मक व्यय में वृद्धि की और राज्य के लिए उद्योगों को बढ़ाने और निवेश आकर्षित करने में सक्षम थे। उन्हें नवोन्मेषी विचारों के लिए भी जाना जाता था, जिसमें महिलाओं के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए जेंडर बजट की अवधारणा की शुरूआत की । राज्य वित्त मंत्रियों की अधिकार प्राप्त समिति के अध्यक्ष (2011–2013) के रूप में, उन्होंने भारत में वस्तु एवं सेवा कर की शुरूआत के लिए आम सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जीएसटी की शुरूआत के बाद, वे जीएसटी परिषद (2017–2020) में विभिन्न मंत्रिसमूह के संयोजक/सदस्य रहे।

4. श्री मोदी कई सामाजिक कार्यों से सक्रिय रूप से जुड़े रहे और उन्होंने 'मृत्यु के बाद अंग और शरीर दान' के बारे में जागरूकता फैलाने में प्रमुख भूमिका निभाई। वे रक्तदान के लिए ब्लड बैंक स्थापित करने और बिहार में थैलेसीमिया रोगियों के लिए मुफ्त रक्त आधान का आयोजन/व्यवस्था करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। वे बिहार में दिव्यांगों की समस्याओं को दूर करने के लिए सहायता करने में भी शामिल थे।

5. श्री मोदी का राजनीतिक जीवन बहुत लम्बा और सफल रहा, जिसमें वे वर्ष 1990 से वर्ष 2004 तक बिहार विधानसभा के सदस्य रहे। इस दौरान वे भाजपा के मुख्य सचेतक, विपक्ष के नेता (1996–2004), बिहार सरकार में संसदीय कार्य मंत्री (2000) रहे। वर्ष 2004 में वे भागलपुर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के सांसद चुने गए। वर्ष 2005 से 2020 तक वे बिहार विधान परिषद के सदस्य रहे। उन्होंने वर्ष 2005–2013 और वर्ष 2017–2020 के बीच उप–मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया। वे वर्ष 2020–2024 तक राज्यसभा के सांसद चुने गए और कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष रहे।

6. 13 मई, 2024 को श्री मोदी का निधन हो गया ।